

# पृथ्वी के लिए परमेश्वर का मकसद क्या है?—भाग 1

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 3 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

**मकसद:** खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



क्या परमेश्वर ने शुरू से यही चाहा था कि दुनिया की ऐसी हालत हो जैसे आज है?

## 1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

आपको क्या लगता है, लोग इसका क्या जवाब देंगे? .....

.....

**आप** क्या मानते हैं? .....

.....

आप ऐसा क्यों मानते हैं? .....

.....

## 2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

परमेश्वर ने कभी नहीं चाहा था कि इंसान मुश्किलों का सामना करें।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 3 का पैराग्राफ 1 देखें।)

### उत्पत्ति 2:8, 9 पढ़िए।

हम यह कैसे जानते हैं कि परमेश्वर चाहता था कि इंसान इस धरती पर खुशी-खुशी जीवन बिताए?

.....

.....

.....

### उत्पत्ति 1:28 और 2:15 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि परमेश्वर का मकसद था कि इंसान इस धरती की और जानवरों की देखभाल करे?

.....

.....

.....



कार चलाते वक्त अगर कोई रुकावट आ जाए तो आप हार नहीं मानते बल्कि दूसरा रास्ता ढूँढ़ निकालते हैं। उसी तरह, परमेश्वर ने पृथ्वी को जिस मकसद से बनाया था उसे वह भूला नहीं है बल्कि उसे ज़रूर पूरा करेगा!

## परमेश्वर ने पृथ्वी को जिस मकसद से बनाया था उसे वह ज़रूर पूरा करेगा।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 3 के पैराग्राफ 2, 3 देखें।)

### यशायाह 55:11 पढ़िए।

हालाँकि आज हालात वैसे नहीं हैं जैसा परमेश्वर ने चाहा था मगर हम कैसे यकीन रख सकते हैं कि पृथ्वी के लिए परमेश्वर का मकसद बदला नहीं है?

.....

.....

.....

### भजन 37:29 और प्रकाशितवाक्य 21:3, 4 पढ़िए।

पृथ्वी के लिए जब परमेश्वर का मकसद पूरा होगा तब ज़िंदगी कैसी होगी?

.....

.....

.....

भविष्य में आप परमेश्वर का खासकर कौन-सा वादा पूरा होते देखना चाहते हैं और क्यों?

.....

.....

.....

### 3

## समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

ईश्वर हमें दुख इसलिए देता है ताकि हम सुख की कदर करें।

आप उससे कह सकते हैं . . .

कई लोगों को ऐसा लगता है मगर मैं ऐसा नहीं मानता क्योंकि . . .

.....  
.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आप उसे वह आयत किस तरह समझा सकते हैं जिससे कि उसे बात अच्छी तरह समझ आ जाए?

.....  
.....

अगर कोई कहे . . .

हालात हमेशा से बुरे रहे हैं और आगे भी रहेंगे।

आप उससे कह सकते हैं . . .

यह सच है कि लंबे समय से हालात बुरे ही रहे हैं। मगर मैं मानता हूँ कि आनेवाले समय में ज़िंदगी ऐसी नहीं होगी क्योंकि . . .

.....  
.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आप उसे वह आयत किस तरह समझा सकते हैं जिससे कि उसे बात अच्छी तरह समझ आ जाए?

.....